

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

### सत्संग परिचय - १

रविवार, २ मार्च, २०१४

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☞

बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन      दिनांक      महिना      वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	

विभाग-१, कुल गुण ( ३३ )

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण ( ३२ )

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१३ (१०)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग भाटे ५

गुण शब्दोंमां .....

रेकर - नाम

## परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है। कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
६. प्रश्न के गुण → 

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे। पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखे गए उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
८. सूचानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे।
१२. परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

## Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid**.
6. Marks for Question → 

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid. Answers will not be considered valid if it is not written in neat and clean hand writing.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.
12. Candidates will not be allowed to keep any electronic items, such as, mobile phones, tablets, laptops, etc. in the examination room.

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९	नाम
----------------------------------	--------------------	-----

परिचय-१

### विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “यदि तुम चाहो तो अन्न का प्रबंध कर सकते हो ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

२. “आपके छोटे भाई इच्छारामजी आये हैं ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

३. “मेरे कारण ही वह अंध हो गया ?”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक    केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. श्रीहरि के हरिभक्तों को देखकर बिशप साहब विस्मित रह गए ।

.....

.....

.....

गुण : २

२. गढ़डा का बाजार खुल गया ।

.....

.....

.....

गुण : २



सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५	नाम	प्र - ४ गुण - ५	नाम	प्र - ५ गुण - ४	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----	--------------------	-----

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीहरि ने अपने प्राकट्य के छः हेतु किसको बताये ?

गुण : १

२. श्रीहरि ने सुराखाचर को अपशब्द बोलने के बदले क्या प्रायश्चित्त दिया ?

गुण : १

३. श्रीहरि ने अंतिम बीमारी के समय किस गाँव में और किस हरिभक्त के घर पधरावनी की ?

गुण : १

४. पकाया हुआ अन्न लेने के लिए परमहंसों क्यों मन ही मन विरोध कर रहे थे ?

गुण : १

५. संवत् १८६९ के अकाल में श्रीजीमहाराज ने दादाखाचर के दरबार में तीन कमरे को कौन-से नाम दिये थे ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मगनीराम ।

गुण : २

(१)  परमात्मा की खोज में घूमते हुए लक्ष्मीदेवी को प्रसन्न किया ।

(२)  अपनी पुत्री के साथ विवाह करने की गुरु की आज्ञा ।

(३)  मुझे तो जीवनभर ब्रह्मचारी रहना है ।

(४)  गुरुपुत्री तो बहन के समान होती है ।

२. आत्माराम की डगली (छोटा कुर्ता) ।

गुण : २

(१)  एक हजार स्वर्णमुद्राएँ की कीमत हुई ।

(२)  मुझे श्रेष्ठ इनाम मिल चुका है ।

(३)  अंतःकरण से प्रवाहित प्रेम के धागों से सिलाई हुई है । (४)  गाँव इनाम में मिला ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ४	नाम	प्र - ७ गुण - ९	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । ( कुल गुण : ४ )

१. श्रीहरि ने ..... गाँव में ..... स्वरूप धारण करके दर्शन दिये । गुण : १
२. .... गाँव के तेजाभाई वणकर आदि हरिजन जाति के भक्त ..... स्वामी के द्वारा स्वामिनारायण संप्रदाय के द्वारा जुड़े थे । गुण : १
३. श्रीहरि ने ..... के हरिभक्तों को ..... दिया । गुण : १
४. महाराज ! यह ..... जड़भरत की तरह हैं, उनको यह ..... वैसे भी बहुत पसंद है । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २**

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. "तुम्हारा निमन्त्रण पत्र आया है ।"  
कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....  
कब कहता है ? .....  
गुण : ३
२. "बस करो, बस करो । इस पद को मत गाओ ।"  
कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....  
कब कहता है ? .....  
गुण : ३
३. "आपका दर्शन करके मुझे शांति हो गई है ।"  
कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....  
कब कहता है ? .....  
गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ४ )

१. श्रीजीमहाराज ने तेजा ठक्कर से भैंस की माँग की ।  
.....  
.....  
.....  
.....  
गुण : २



सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५	नाम	प्र - १० गुण - ४	नाम	प्र - ११ गुण - ६	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	---------------------	-----	---------------------	-----

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. प्रेमानंद स्वामी की संगीत सुरावली पर कौन मुग्ध हो गये ?

गुण : १

२. श्रीजीमहाराज ने विमुख किया तत्पश्चात् मूलजी ब्रह्मचारी कहाँ और किस के साथ रहने लगे ?

गुण : १

३. श्रीजीमहाराज ने दादाखाचर का पुनःविवाह किस के साथ सम्पन्न करवाया ?

गुण : १

४. कृष्णजीभाई का विवाह किस के साथ हुआ था ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : अयोध्याप्रसादजी महाराज की आत्मनिष्ठा ।

१. अयोध्याप्रसादजी महाराज ने नमकीनवाला दूधपाक खाया । २. अयोध्याप्रसादजी महाराज जेतलपुर के निकट असलाली गाँव में गये । ३. आचार्य महाराज को संतों ने बहुत प्रेम से परोसा । ४. उनके लिए नमक चीनी समान थे । ५. उनके आश्रित संत एवं हरिभक्त को खुश करते थे । ६. उन्होंने कहा, “भगवान के प्रसाद में किसी को स्वाद नहीं देखना चाहिए ।” ७. वे ध्यान में थे तभी एक बिच्छू ने उनकी पीठ पर डंक मारा फिर भी ध्यानमग्न ही रहे । ८. अयोध्याप्रसादजी क्षमाशील प्रकृति के थे । ९. आचार्य महाराज ने कहा, “यदि दुष्ट अपना स्वभाव नहीं छोड़ता तो भला व्यक्ति अपनी भलाई क्यों छोड़े ?” १०. अपनी दयालु प्रकृति के कारण वे सन्तों एवं परोक्ष के लोगों के मध्य लोकप्रिय थे । ११. दूधपाक में शक्कर के बदले नमक डाल दिया है । १२. संतों ने खाना प्रारम्भ किया तब पता चला कि दूधपाक में तो बहुत नमकीन है ।

(१) केवल सही क्रमांक        गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम        गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें



सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४	नाम
----------------------------------	---------------------	-----

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । ( कुल गुण : ४ )

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. भक्तरत्न लाडूबा : कुंडल के राठोड़ धाधल के साथ विवाह सम्पन्न हुआ था, परन्तु उनकी वृत्ति तो स्वामी से एक हो गई थी । इसलिए राठोड़ धाधल ने प्रसन्नतापूर्वक उन्हें उनके माता-पिता के पास भिजवा दिया ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

२. स्वामी जागा भक्त : जब उन्होंने बात सुनी तो अपना जामनगर जाने का कार्यक्रम छोड़ दिया और घोड़े पर पार्षद को पत्तर, सीधासामग्री लाने के लिए भेजा । एक वृद्ध साधु को साथ लेकर कारियाणी से सीधे डांगरा पहुँचे ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

३. प्रेमसखी प्रेमानन्द स्वामी : थोड़ी देर बाद उधर से एक लोहार निकला । उसने गुफा की खोह में लड़की के रोने का शब्द सुना । उसने लड़की को उठा लिया ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

४. श्रीकृष्णजी अदा : उनकी अपनी आवश्यकताएं गुणभावी भक्तों से प्रयत्न करने से पूरी हो जाती थीं । फिर भी महाराज की इच्छानुसार, वे नियमित रूप से दश आश्रम जाकर भिक्षा माँगते । प्राप्त भिक्षा में से बीसवाँ भाग आचार्य को देकर शेष घर ले जाते । तब वे थाल बनाकर खाते ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**विभाग - ३ : निबंध**

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । ( कुल गुण : १० )

१. ब्रह्मस्वरूप शास्त्रीजी महाराज के अमूल्य प्रदान : सिद्धांत, संस्था और सत्पुरुष ।

२. B.A.P.S. संस्था : सेवा की भागीरथी ।

३. सर्वावतारी भगवान श्री स्वामिनारायण : दिव्यधामों के दर्शन ।

( ) .....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....

